RAJYA SABHA

Thursday, the 9th May, 1974/the 19th Vaisakh, 1896 (Saka).

The House met at 11 of the clock, **MR. CHAIRMAN** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Arrest for spying activities in U. P.

*325. SHRI O. P. TYAGI†
SHRI SUBRAMANIAN SWAMY:
SHRI V. K. SAKHLECHA:
SHRI D. K. PATEL:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(b) whether it is a fact that Major Farooqi, Personal Assistant of a Union Minister, went to Aligarh Muslim University on 12th October, 1973 along with one Major Hassan and booked the Guest House in the University;

(b) whether it is a fact that Major Hassan went to Allahabad along with one Shri Irfan Farooqi of the History Department of University, who is a relative of Shri Sultan Farooqi, and both were arrested by the military authorities in the Military Canteen while they were spying for Pakistan;

(c) whether Major Hassan stayed at the Uttar Pradesh Government House in Delhi for some weeks; if so, the period of his stay with whose recommendation he was allowed to stay there; and

(d) what are the full details of the matter and what action Government have taken against the concerned persons?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M NIWAS MIRDHA): (a) to (d). According to information available with Government, Shri Sultan Ahmed Farooqi and one 'Major' Hassan, whose real name is Wazimuzzafar Hassan and who had posed as an Army Major, met at the Aligarh Muslim University Guest House on 12-10-1973. There is no information to indicate that the accommodation at the Guest House was booked by Shri Farooqi. Shri Wazimuzzafar Hassan and Shri Irfan Farooqi, who is a typist-cum-clerk in the History Department of the Aligarh Muslim University and is a brother of Shri Sultan Farooqi, went to Allahabad on 17-10-1973 and they were arrested there on 18-10-73 by the Military authorities at the army mess. A case was registered under section 140 IPC and Rules 7/56/58 of D. I. R. 1971 and investigated by the Uttar Pradesh State Police. Investigations have not so far revealed any espionage angle. Shri Hassan is reported to be a notorious cheat. Wazimuzzafar Hassan stayed in U. P. Niwas in Delhi during the period 4-10-73 to 16-10-73. He appears to have secured accommodation by false representation to the U. P. Niwas staff regarding his identity.

श्री ओउम् प्रकाश त्यागी: अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि मेजर हसन यहां आये तो जो श्री सुलतान फारुखी है इनका इनके साथ क्या सम्बन्ध रहा, किस तरह से आये, इन्होंने निमंत्रित किया या इनके यहां अचानक आ गये हैं और इस सम्बन्ध में जो गिरफ्तारी हुई है मेजर हसन जब इलाहाबाद में पकड़े गये तो इस सम्बन्ध में कितने व्यक्ति अलीगढ़ से या इलाहाबाद से अरेस्ट किये गये। मिस्टर फारुखी को रेस्ट किया गया या नहीं किया गया और नहीं किया गया तो क्यों! और अगर किया गया है तो अब तक इस सम्बन्ध मे जो जानकारी प्राप्त हुई है उस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही हुई है!

श्री राम निवास मिर्धा : श्रीमन्, जैसा मैंने बताया, यह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में गये और वहां से यह मेजर हसन और इरफान फारुखी इलाहाबाद गये और इलाहाबाद में वह पकड़े गये और उसके बाद इन दोनों के साथ कुछ और व्यक्ति भी गिरफ्तार किये गये। पूरी तफसील मेरे पास नहीं कि कितने व्यक्ति हैं लेकिन काफी व्यक्ति है।

श्री ओउम् प्रकाश त्यागी : सुलतान फारुखी पकड़े गये।

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri O. P. Tyagi.

श्री राम निवास मिर्धा : अरफान फारुखी पकड़े गये, जी हां पकड़े गये, उनके साथ कुछ और व्यक्ति भी पकड़े गये । वह मुकदमा अदालत में है और उसकी अदालत में कार्यवाही चल रही है । 9 व्यक्ति पकड़े गये कुल और 28-12-73 को अदालत में चालान पेश कर दिया गया है जहां पर वह अभी चल रहा है ।

श्री ओउम् प्रकाश त्यागी : अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि मै यह जानना चाहूंगा, वह केन्द्रीय मंत्री महोदय जिनके ये पी० ए० हैं क्या सरकार ने उन से भी जानकारी की और क्या उनका नाम बता सकेंगे कि कौन केन्द्रीय मंत्री हैं जिनके ये पी० ए० है और क्या यह इनके यहां भी रहे और क्या यह सच है कि यहां की गुप्त फाइल यहां रहते हुये देखते रहे । तो इसकी जानकारी आप देंगे और क्या यह बता सकेंगे आप कि इस प्रकार की घटनाये पहले भी हुई हैं ।

केन्द्र के और भी मंत्री रहे हैं, उनके पी० ए० के द्वारा पाकिस्तान के एजेन्ट यहां से अजमेर जाते रहे है और पकड़े जाते रहे हैं क्या इस प्रकार की घटनायें हुई है ? पिछले तीन-चार वर्षो में कितने पाकिस्तान के एजेन्ट आपने इस प्रकार पकड़े है जिनमें केन्द्रीय मंत्रियों के पी० ए० इस प्रकार से संबंधित रहे हैं ? क्या आपने मंत्री महोदय से जानकारी प्राप्त की है कि वे उनके यहां क्यों ठहरे, कब तक ठहरे, गुप्त फाइलें देखी या नहीं देखीं ? अगर उन्होने उनसे जानकारी प्राप्त की है तो कृपया बताएं कि वह क्या है ?

श्री राम निवास मिर्धा : श्रीमन्, जैसा मैंने निवेदन किया, सुलतान फारुखी के भाई, इरफान फारुखी, इलाहाबाद गए और उनके साथ पकड़े गए । अब पूछ रहे है कि उनके बारे में क्या किया, जांच की गई या नहीं की गई । सुलतान फारुखी शिक्षा मंत्री जी के निजी सहायक है । उनसे मेजर हसन मिलते रहे है । इसके बारे में दो दफा जांच की गई । कुछ पुलिस अधिकारियों ने उनसे बात की, उनके बयान भी लिए, लेकिन यह जो घटना बाद में घटी इससे उनका सम्बन्ध नहीं पाया गया । इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि वे इसमें किस तरह सम्बन्धित हैं, बल्कि साबित हुआ कि बाद में जो घटनायें घटी उनके अन्दर उनका किसी तरह भी हाथ नहीं था ।

श्री ओउम् प्रकाश त्यागी : अगर ठहरे तो किस सम्बन्ध में ठहरे ?

श्री राम निवास मिर्धा : ठहरे या नहीं ठहरे, इस बारे में मै नहीं कह सकता ? लेकिन उनसे मिलते जरुर थे, जैसे दूसरों से धोखाधड़ी की उनसे भी धोखाधड़ी की। ठहरने के बारे में मै निश्चित रुप से नहीं कह सकता, उनसे मिलते जरुर थे, बातचीत थी सम्बन्ध जरुर था । इससे ज्यादा उनका किसी प्रकार का इनवाल्वमेन्ट नही पाया गया । जिस तरह से 1966 से मेजर हसन धोखाधड़ी करते रहे हैं वैसे ही उन्होंने इनको अपनी तरफ लेने की कोशिश की, लेकिन इन्होंने कोई गलत काम किया हो या गैर कानूनी काम किया हो, ऐसा साबित नहीं होता ।

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: Mr. Chairman, this is a matter concerning the security of India and it involves . . .

MR. CHAIRMAN: You kindly put your question.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I am asking for your protection, Mr. Chairman. I can make charges; then there will be screams from the other side. I want to put a specific question. I just want your indulgence; that is all. Now it has been established that Mr. Farooqi was working in Aligarh Muslim University and he was brought by Mr. Nurul Hassan to be his P. A. in the Education Ministry. That is number one. Number two, the Minister has admitted that 'Major Hassan' was a notorious cheat, besides other things—'notorious' implying, everybody knows, that he has been at this game for many years. And he stayed in the Aligarh Muslim University Guest House and the U. P. Guest House for weeks.

MR. CHAIRMAN: Now, what is the point in repeating what the Minister has said?

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I am not repeating what the Minister said.

MR. CHAIRMAN: You are repeating.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I am saying that the Minister has admitted that he is a notorious cheat. In addition, I am saying that he stayed in the AMU Guest House and the U. P. Guest House for weeks. The reason I am asking this question is, it is very serious. . .

MR. CHAIRMAN: If you are not going to put a question, I will call the next Member. I can't wait indefinitely.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I can put the question. This is a very serious matter.

MR. CHAIRMAN: Every matter is a serious matter. Otherwise it would not be raised here.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: This involves the security of India.

MR. CHAIRMAN: Please put your question. You are taking too much time.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I am now putting my question. I want to know from the Minister whether he can give this House an assurance that after a thorough security check, Mr. Nurul Hassan has been found not to be a security risk to this country.

SHRI RAM NIWAS MIRDHA: I would most emphatically say, No, Sir. I think it does not behove, it is demeaning even to make a suggestion of this kind.

(Interruptions).

SHRI BHUPESH GUPTA: This remark should be expunged; I would request you that it should be expunged. Even to insinuate that Mr. Nurul Hassan is a security risk is outrageous.

DR. Z. A. AHMAD: Sir, it should be expunged.

SHRI OM MEHTA: When he makes such a disparaging remark, you must...

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: Sir, I would like to explain.

SHRI BHUPESH GUPTA: What does he want to explain? This must be expunged.

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY: I have said nothing unparliamentary. I have every right to explain in view of Mr. Bhupesh Gupta's intervention. I would like to know whether Mr. Nurul Hassan has resigned because you know Mr. Willy Brandt resigned because his aide was involved. Why can't Mr. Nurul Hassan resign because his aide is involved?

(Interruptions)

श्री राजनारायण : मैं समझता हू कि चेयर कंपिटेंट है अगर कोई ऐसी बात हमारे सम्मानित सदस्य कह रहे हैं तो उनको रोक सकते है। मगर मैं यह जानना चाहता हूं कि अगर हमारी यह धारणा है कि श्री नुरुल हसन सैक्यूरिटी रिस्क हैं तो यह प्रश्न हम नहीं पूछ सकते है ?

MR. CHAIRMAN: Mr. Rajnarain, please sit down.

श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा : क्या माननीय मंत्री जी यह बतायेंगे कि मिलिटरी अथारिटीज ने जिन दो व्यक्तियों को स्पाइंग के लिए पकड़ा वह किस चार्ज के अन्दर पकड़ा है और क्या नुरुल हसन साहब की उनकी ऐसोसएशन के आधार पर उन्होंने जो अनड्यू ऐडवांटेज उठाया, मिलिटरी अथारिटीज में जाकर स्पाइन्ग करने का तो उनकी मोरेल डयूटी है कि वह इस्तीफा दें, तो वह क्या आपको उन्होंने कम्यूनिकेट किया है ?

श्री राम निवास मिर्धा : मेजर हसन, तथाकथित मेजर और 8 अन्य व्यक्तियों को जो गिरफ्तार किया गया मिलिटरी के मैस में उनके ऊपर ये दफा लगाई गई हैं

140 IPC-wearing of uniform of soldier, sailor or airman; 447 IPC-criminal trespass; 420 IPC-cheating; Rule 7 of the DIR-entry into prohibited place; Rule 56 of the DIR-false impersonation as Government servant; Rule 58 of the DIR-improper use of uniform.

इसलिए कोई सैक्यूरिटी की बात हो, सारी जांच से पता चला कि ऐसी कोई बात नहीं है । उन्होंने इस तरह की ऐसपियोनेज किया हो या इस तरह की कोई कार्यवाही की हो यह जांच से मालूम हुआ कि उनके खिलाफ ऐसी कोई बात नही है । जो दफा लगाये गये हैं वह आपके सामने है । उनको और 8 अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और कुल 9 व्यक्तियों के खिलाफ केस अभी लखनऊ में चल रहा है ।

श्री वीरेन्द्र कुमार मिर्धा : श्रीमन्, मेरे दूसरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया । मेरा दूसरा प्रश्न यह था कि क्या नुरुल हसन साहब की आफिशियल पोजीशन का फायदा उठाकर वह मिलिटरी मैस में जाते रहे और इस प्रकार एक मिनिस्टर की पोजीशन का अन-ड्यू फायदा उठाने के बारे में क्या नुरुल हसन साहब से आपने कोई जानकारी पूछी है ?

श्रीराम निवास मिर्धा : जानकारी लेने का प्रश्न ही नहीं उठता । यह सब चीज मैंने शुरु में संकेत किया कि ये हमेशा ऐसा करते रहे हैं । 1966 में ये पकड़े गये उस समय भी ये अपने को मिलिटरी के अफसर बताते थे । इसकी जांच की गई और उनको 3 साल 1 महीने की सजा हुई । उस समय उन्होंने कहा कि कभी पाकिस्तान इंटैलीजैंस से इनका सम्बन्ध था । यह बात गलत साबित हुई । ये तो उसी प्रकार के व्यक्ति है और कोई भी इनके बारे में सैक्यूरिटी या ऐसफियोनेज़ किसी प्रकार का चार्ज किसी केस में नही है और तहकीकात के बाद ये चालान पेश किये गये ।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, मेरा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस बात को स्पष्ट करेगी कि श्री फारुखी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में कब से थे ? जब वे विश्वविद्यालय में थे तो श्री फारुखी नुरुल हसन साहब से इनके कैसे ताल्लुकात थे ? नुरुल हसन साहब और फारुखी साहब विश्वविद्यालय में एक साथ ही रहते थे । और इतने दिनों का असोसिएशन अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय के साथ होकर, उसके बाद जब से यहां आए तब से उनके पी०ए० रहे—एक सामान्य सी बात है—तो क्या सरकार इस बात को भी गौर करेगी अभी हाल में पश्चिमी जर्मनी के प्रधान मंत्री विली ब्रांट ने एक जासूसी के मामले में . . .

MR. CHAIRMAN: Willy Brandt has nothing to do with this question.

श्री राजनारायण : इसका उदाहरण पेश कर रहा हूं . . .

MR. CHAIRMAN: No udaharans. Udaharans are not given in the question.

SHRI RAJNARAIN: What are you going to do?

MR. CHAIRMAN: You put your question.

श्री राजनारायण : मैं यही पूछ रहा हूं कि क्या यहां के प्रधान मंत्री महोदय पश्चिमी जर्मनी के प्रस्न मंत्री का अनुकरण करेंगे ? एक फारेन जसूसी में उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया यह कह कर कि हां, हमारी जिम्मेदारी थी, हमने उसको रखा था । तो मैं श्रीमन्, यहां इस सदन में कह चुका हूं कि उन्होंने हमारा दस्तखत फोर्ज किया था 1940 में, वाराणसी में . . .

DR. Z. A. AHMAD: How is all that relevant?

SHRI KALYAN ROY: If this is allowed, other questions will not be reached.

श्री राजनारायण : तो यही मेरा प्रश्न है कि इतना क्लोज़ एसोशिएशन रहते हुए, श्री नुरुल-हसन साहब का और उनके निजी सहायक सुल्तान फारुखी का, यह कैसे कहा जा सकता है कि सुल्तान फारुखी के काम से नूरुल हसन साहब का संबंध नहीं था । आप हमी को कहते हैं . . . . .

श्री सभापति : अब आप बैठ जाइए, आपका सवाल हो चुका ।

श्री राजनारायण : इसको अध्यक्ष जी, सुन लें ।

DR. Z. A. AHMAD: This cannot be allowed.

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

श्री राजनारायण : हम नही पूछ रहे हैं हम बैठ रहे है । सब मुझसे ही कहते है कि रखे नीची नज़र अपनी, कोई उनसे नहीं कहता कि निकलो मत अयां होकर । अगर अयां होकर मंत्री महोदय निकलेंगे तो हमारी नज़र भी चौड़ी होगी (व्यवधान)

डा० जैड० ए० अहमद : चैयरमैन साहब . . .

MR. CHAIRMAN: I do not want you to take any more time.

श्री राजनारायण : जैड० ए० अहमद ने मुल्क की आजादी की लड़ाई में कुछ किया है ।

श्री उमाशंकर दीक्षित : अध्यक्ष महोदय, यह सारी स्थिति हमारे साथी मिर्धा जी ने बताँयी । इसका एक ही अर्थ है कि एक धोकेबाज सारी उम्र जगह जगह जहां जाता रहा धोका देता रहा । वह धोखा इसलिए दे पाया कि पहले की बात दूसरे को न मालूम हो ऐसी जगह जाता रहा और वह आखिर उनके पी० ए० को भी धोखा दे गया । राजरानायण जी को भी धोखा दे सकता था अगर वह ऐसी स्थिति में होते । तो श्रीमन् मैं कहूंगा कि कहीं एक जगह भी ऐसा संदेह नहीं हुआ कि उससे कोई जासूसी काम किया या उसने खुफिया का काम किया । किसी एक ने भी संदेह नहीं किया । उसके साथ जबरन, गलत तरीके से, पहले पी० ए० को फंसाते हैं, फिर मिनिस्टर का नाम लाते है, जो कि नितांत अनुचित है, निराधार है । एक धोकेबाज़ ने कईयों को धोखा दिया, उनके पी० ए० को भी धोकय दिया । कौन पार्लियामेन्ट का मैम्बर ऐसा है जो कह सकता है मुझे किसी ने धोका नहीं दिया । तो यह उचित नहीं है कहना, और ये जो बातें कही जा रही हैं श्रीमन्, मेरा निवेदन यह है कि वे रिकार्ड में नहीं जाना चाहिए क्योंकि इससे बिना कारण एक तो हमारे सभा के जो कि हमारे सम्मान का स्थान है, सम्मान को हानि पहुंचेगी और एक निर्दोष व्यक्ति के साथ घोर अन्याय होगा ।

श्री राजनारायण : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करता हूं, दीक्षित जी गांधीवादी हैं . . .

MR. CHAIRMAN: Next question. Nothing will be taken down.

(Ends)

SHRI RAJNARAIN: (Continued speaking).

MR. CHAIRMAN: Dr. Mathew Kurian. Please put the next question.

SHRI BHUPESH GUPTA: This question is for the Prime Minister.

SHRI C. SUBRAMANIAM: It has been transferred to me.

SHRI BHUPESH GUPTA: Not in our paper. Sir, on a point of order. This question was addressed to the Prime Minister and therefore the Prime Minister should answer this. CBI comes under the Prime Minister and therefore the quesion has been addressed to the Prime Minister. I know that Shri Subramaniam can answer. I am not questioning that . . .

DR. K. MATHEW KURIAN: This question should be answered by the Prime Minister. This is one of her rare visits to the Rajya Sabha.

SHRI BHUPESH GUPTA: Shri Subramaniam dealt with this at length the other day in this House. Why a repeat performance? Let us hear the Prime Minister this time.

MR. CHAIRMAN: Now, Mr. Bhupesh Gupta, Mr. Subramaniam will answer and the Prime Minister is hear and if she wants to intervene she can do so. Yes, Dr. Kurian, please put the question.

CBI Inquiries against Central Government Officers

*326. DR. K. MATHEW KURIAN:†
DR. Z. A. AHMAD:
SHRI BHUPESH GUPTA:

Will the Minister of IDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND

†The question was actually asked on the floor of the House by Dr. K. Mathew Kurian.